हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026

11 सांसद धर्मबीर ने किया विजेता तैराकों का सम्मान



12 रामलीला में अशोक वाटिका उजाड़ने का दृश्य रहा खास



खबर संक्षेप



एडवांस लीडरशिप कैंप के लिए रवाना हुआ जय

बहादुरगढ़। बादली राजकीय महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट जय का चयन एडवांस लीडरशिप कैंप के लिए हुआ है। एनसीसी 8 हरियाणा बटालियन रेवाड़ी के अंतर्गत कैडेट जय 19 से 30 अक्टूबर तक मलोट (पंजाब) की एनसीसी अकादमी में आयोजित कैंप में भाग लेगा। कॉलेज प्राचार्य मेजर आनंद कुमार ने कैडेट जय को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एनसीसी अधिकारी डॉ. मनजीत सिंह ने बताया कि इस राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में कैडेटों को नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व विकास, अनुशासन तथा सैन्य प्रशिक्षण से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा।

डीसी बुधवार को सुनेंगी नागरिकों की समस्याएं

बहादुरगढ़। क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए बुधवार 21 अक्टूबर को बहादुरगढ़ के लघु सचिवालय स्थित कैंप कार्यालय में जनसुनवाई होगी। डीसी वर्षा खांगवाल बुधवार सुबह 11 बजे नागरिकों की समस्याएं सुनेंगी और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगी। इस दौरान सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे ताकि नागरिकों की शिकायतों पर उचित कार्रवाई की जा सके।

बलजीत नगर में मकान से नकदी व मोबाइल चोरी

बहादुरगढ़। लाइनपार के बलजीत नगर स्थित एक मकान में चोरी की वारदात हो गई। अज्ञात चोर मकान में घुसे और नकदी तथा मोबाइलों पर हाथ साफ कर गए। लाइनपार थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात मोहम्मद फिरोज के यहां हुई है। बिहार मूल के फिरोज का कहना है कि वह यहां बलजीत नगर में किराये पर अपने बेटे के साथ रहता है। रविवार की रात को हम सो गए थे। इसी दौरान करीब डेढ़ बजे चोर घुसे और वारदात कर गए। अगली सुबह उठे तो वारदात का पता चला। मेरा व बेटे का मोबाइल गायब था। कमरे में रखे बैग से 7700 रुपये भी नहीं मिले।

मंदिर के लिए निकली किशोरी लापता

बहादुरगढ़। सहेलियों संग मंदिर जाने के लिए घर से निकली एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। दो दिन बीत जाने के बाद भी उसका कुछ अता पता नहीं है। पुलिस शिकायत में एमपी मूल के व्यक्ति का कहना है कि वह वह फिलहाल छारा में रहता है। गत 17 अक्टूबर को उसकी 16 वर्षीय बेटी सहेलियों संग बेरी माता के मंदिर जाने की कहकर गई थी। लेकिन वापस नहीं आई। उसका फोन भी बंद आ रहा है।

दशहरा पर्व आज : पुलिस ने किए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, एसडीएम ने भी किया दहन स्थलों का निरीक्षण

शहर में छह स्थानों पर की नाकाबंदी भारी वाहनों को बाइपास से गुजारेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

दशहरा पर्व के चलते मंगलवार को जिले में कई जगह रावण के पुतलों का दहन किया जाएगा। कार्यक्रम स्थलों पर जिला पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने का दावा किया गया है। डीसीपी मुख्यालय फैसल खान ने बताया कि दशहरा पर्व के दौरान रावण दहन स्थलों और मेला क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के लिए पुलिस द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए हैं। शहर में छह प्रमुख स्थानों पर नाकाबंदी की गई है ताकि भारी वाहनों को शहर में प्रवेश करने से रोककर बाइपास की तरफ डायवर्ट किया जा सके और यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। सभी थाना प्रबंधकों और चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और यातायात प्रभारियों को यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। राइडर और पीसीआर टीमें अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार गश्त करेंगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस सहायता उपलब्ध करवाई जा सके। वहीं, उन्होंने नागरिकों से भी अपील की है कि वे व्यवस्था बनाने में पुलिस का सहयोग करें और कोई भी संदिग्ध गतिविधि पर



फैसल खान, डीसीपी मुख्यालय झज्जर।



झज्जर। कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते हुए एसडीएम एवं अन्य।

अबकी बार तीन स्थानों पर होगा रावण दहन

अबकी शहर में प्राचीन रामलीला मैदान के अलावा रात्रि रामलीलाओं में भी रावण, मेघनाद व कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया जाएगा। शहर में भगत सिंह चौक के नजदीक श्री विकास रामलीला व पुराना बस स्टैंड स्थित श्री लवकुश रामलीला परिसर में दशहरा उत्सव के दौरान पुतला दहन किया जाएगा। तीनों जगह रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले सजा दिए हैं।

एसडीएम ने सुरक्षा व इमरजेंसी स्थिति को लेकर दिए निर्देश

सोमवार को एसडीएम रवि मीणा ने संबंधित अधिकारियों के साथ रावण दहन स्थल, पुराना बस स्टैंड और भगत सिंह चौक रामलीला आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आयोजकों को सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रावण दहन कार्यक्रम के दौरान अग्निशमन उपकरणों की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए तथा किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम पहले से किए जाएं। अधिकारियों ने आयोजन स्थलों पर भीड़ को नियंत्रित करने, आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने और यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए ताकि समारोह शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न हो सके।



बहादुरगढ़। रोहतक रोड पर बिक्री के लिए रखे रावण समेत अन्य के पुतले।

रावण 51 तो कुंभकर्ण व मेघनाद के होंगे 41-41 फुट के पुतले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

इलाके में मंगलवार को दशहरा पर्व उत्साह और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर शहर में कई जगह रावण दहन के छोटे व बड़े कार्यक्रम होंगे। प्रमुख कार्यक्रम पुराना कोर्ट परिसर में परोपकारी सभा, सनातन धर्म महावीर मंदिर समिति की ओर से कराया जा रहा है।

सभा की ओर से इस दफा 65वां आयोजन किया जा रहा है। इस बार रावण के साथ कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का भी दहन होगा। रावण का पुतला 51 तो कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले 41 फुट के रहेंगे। ये दिल्ली के तितारपुर से तैयार कराए गए हैं। सभा के प्रधान जगदीश एलावाधी ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस बार पहले के मुकाबले भव्य कार्यक्रम होंगे। मंच भी तैयार किया गया है। शाम को विजय दशमी की शोभा यात्रा निकाली जाएगी। शोभा यात्रा महावीर मंदिर से शुरू होकर मेन बाजार, मांडोठी बाजार, झज्जर रोड से होते हुए पुराना कोर्ट परिसर स्थित रावण दहन स्थल पर पहुंचेगी। वहां राम और रावण की सेनाओं के बीच युद्ध होगा। अधर्म पर धर्म की विजय के साथ रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले दहन किए जाएंगे। सुरक्षा की दृष्टि से भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहेगा। आमजन से भी व्यवस्था में सहयोग बनाए रखने की अपेक्षा है। वहीं, गांव परनाला व लाइनपार सहित शहर के कई हिस्सों में रावण दहन के छोटे व बड़े कार्यक्रम होंगे।

टोल पर तेज रफ्तार कार ने एसआई को मारी टक्कर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

तेज रफ्तार कार ने हरियाणा पुलिस के एक सब इंस्पेक्टर को टक्कर मार दी। हादसे में एसआई को काफी चोट आई है और वह एक निजी अस्पताल में भर्ती है। उनकी शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घायल की पहचान सतपाल के रूप में हुई है। नूना माजरा के निवासी एसआई सतपाल फिलहाल बहादुरगढ़ ट्रैफिक थाने में तैनात हैं। सतपाल के मुताबिक, गत 17 अक्टूबर को वह वैन संख्या 2 पर पायलट ड्यूटी पर थे। मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा की पायलट ड्यूटी समाप्त करके वापस उनके आने का टोल प्लाजा के पास इंतजार कर रहे थे। शाम करीब 5 बजे बहादुरगढ़ की तरफ से एक तेज रफ्तार कार आई। मैं गाड़ी के पास खड़ा था। इसी दौरान कार ने मुझे टक्कर मारी और मौके से निकल गई। एसपीओ ओमप्रकाश ने मुझे संभाला और अस्पताल लेकर गया। आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उधर, आसौदा थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

झज्जर। क्षेत्र के गांव गिजाड़ौद के नजदीक हुई एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान जिले के गांव सुलौधा निवासी करीब 52 वर्षीय बिजेंद्र पुत्र चंद्रहास के तौर पर हुई है। मामले की जांच अधिकारी नीलम ने बताया कि बिजेंद्र गिजाड़ौद स्थित एक ढाबे पर खाना खाने के लिए गया था। उसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। इसके बाद जब गंभीर रूप से घायल बिजेंद्र को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया, तब चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोमवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

रोहित दलाल ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीता ब्रांज

- अमेरिका के लास वेगास में आयोजित अंडर 23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में दिखाया दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव आसौदा के लाल रोहित दलाल ने अमेरिका में देश का परचम लहरा दिया। रोहित ने अमेरिका के लास वेगास में आयोजित अंडर 23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में फ्री स्टाइल 57 किलोग्राम भारवर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया है। उसकी जीत पर परिजनों और कुश्ती प्रेमियों ने खुशी जताई है। जीतकर लौटने पर उसका जोरदार अभिनंदन किया जाएगा। गत 12 से 18 अक्टूबर तक यह आयोजन हुआ। दुनियाभर के पहलवानों ने इसमें भाग लिया। हिंद केसरी सोनू अखाड़े का रोहित दलाल भी देश की तरफ से दमखम दिखाने मैट पर उतरा। क्वालीफायर राउंड में जमैका के पहलवान को 10-0 से हराकर शानदार आगाज किया। लेकिन अगले मुकाबले में तुर्किए के पहलवान 10-6 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद रेपचेज राउंड में रोहित को अवसर मिला, जिसे भुनाने में उसने कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने मोलदोवा के पहलवान को 12-2 के अंतर से हराकर कांस्य पदक के लिए जगह सुनिश्चित की। इसके बाद अर्मेनिया के पहलवान को 8-3 से पटखनी देखकर ब्रांज मेडल पर कब्जा जमा लिया।

रोहित पिछले कुछ समय से मांडोठी स्थित हिंद केसरी सोनू अखाड़े में अभ्यास करता है। इससे पहले जूनियर और कैडेट एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीत चुका है। अब एक बार फिर से देश का परचम लहरा दिया है। उसका सपना देश के लिए ओलंपिक में मेडल जीतना है। कोच धर्मेंद्र दलाल का कहना है कि रोहित दलाल बेहद होनहार पहलवान है। स्वदेश लौटने पर अखाड़े में उसका जोरदार स्वागत किया जाएगा।



बहादुरगढ़। कोच धर्मेंद्र दलाल के साथ पहलवान रोहित दलाल।

लाइनपार में मेस्टिक से बनेगी गली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

विधायक राजेश जून ने लाइनपार क्षेत्र के वार्ड नंबर-2 में मेस्टिक से बनने वाली गली के निर्माण कार्य का नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद अन्नू रानी, नप अधिकारी तथा वार्ड के निवासी मौजूद रहे। स्थानीय निवासियों ने विधायक राजेश जून का स्वागत करते हुए विकास कार्य शुरू होने पर खुशी जताई।

विधायक राजेश जून ने बताया कि वार्ड नंबर-2 की प्रमुख गली नंबर-7 पार्क के आगे मेन गली से बननी शुरू होगी जोकि टी-पॉइंट तक मेस्टिक से बनेगी। उन्होंने कहा कि इस निर्माण कार्य से क्षेत्र के लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी और स्थानीय निवासियों को आने-जाने में राहत मिलेगी। विधायक राजेश जून ने कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के शुभारंभ और उद्घाटन का सिलसिला निरंतर जारी है। बहादुरगढ़ को विकास के मामले में अग्रणी बनाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे और जनहित के कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। इस अवसर पर पार्षद अन्नू सिंगल, अनिल सिंगल, पार्षद राजेश मकडौली, अशोक शर्मा, सत्यप्रकाश छिकारा, प्रवीण सोनू, हरिमोहन धाकरे, पवन रोहिल्ला, योगेश धनखड़, भूपेन्द्र डागर, आजाद सिंह, सुधन, नवल किशोर, तेजा, रामनाथ, कवल सिंह, राम मूर्ति, दर्शन, ईश्वर सिंह और राजबीर आदि मौजूद रहे।

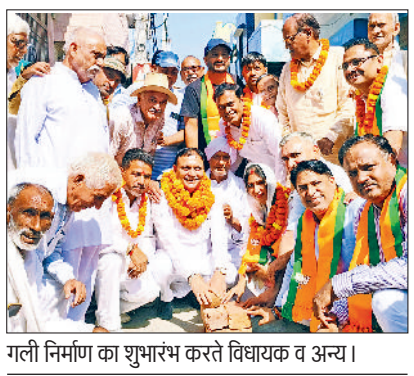

गली निर्माण का शुभारंभ करते विधायक व अन्य।

जटेला धाम में शरद पूर्णिमा पर बांटेंगे औषधीय खीर

झज्जर। तपोभूमि जटेला धाम माजरा दुबलधन में शरद पूर्णिमा के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान श्रद्धालुओं में दुर्लभ जड़ी-बूटियों से निर्मित औषधीय खीर का वितरण किया जाएगा। जटेला धाम के पीठाधीश्वर स्वामी राजेंद्र दास महाराज ने बताया कि आयोजन में 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए धाम में तैयारियां तेज कर दी गई हैं और वितरण के लिए टोकन व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि परंपरा के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा की किरणों के सान्निध्य में हिमाचल की कंदराओं से लाई गई जड़ी-बूटियों का मिश्रण डालकर खीर तैयार करके वितरित किया जाता है।



बाजरे व धान की आवक जोरों पर, पार्किंग ने बढ़ाई परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

स्थानीय अनाजमंडी में धान और बाजरे की आवक लगातार जारी है। जिले में अब तक बाजरे की फसल के लिए 8,849 किसानों के गेट पास काटे गए हैं, जिनके माध्यम से 2,76,824.50 क्विंटल बाजरे की आवक हुई है। बाजरे की खरीद निजी स्तर पर आढ़तियों द्वारा 2100 से 2300 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। यदि स्थानीय अनाजमंडी की बात करें तो मंडी में अब तक करीब 83447 क्विंटल बाजरे की खरीद हो चुकी है, जबकि इसमें से 51900 क्विंटल का उठान किया जा चुका है। इसके अलावा 121 किसानों से 7350 क्विंटल पीआर धान की आवक हुई है, जिसकी खरीद अभी नहीं हुई है।

वहीं, अनाजमंडी आढ़ती यूनियन के प्रधान विनोद पूनिया ने बताया कि मंडी परिसर में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। इसके बावजूद वाहन बेतरतीब तरीके से खड़े रहते हैं। इससे फसल से भरे ट्रालों के आवागमन और उठान में परेशानी आती है।





हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
20 अक्टूबर 2026

सहेली

विशेष: विजय दशमी



विजय दशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का, अधर्म पर धर्म की जीत का, अनीति पर नीति की जीत का और अन्याय पर न्याय की जीत का उत्सव है। उत्सव मनाने के साथ ही यह पर्व हर तरह की दुष्प्रवृत्ति का प्रतिकार करने का संदेश भी देता है। महिलाओं के लिए इस पर्व में निहित संदेश बहुत मायने रखते हैं। केवल अपने घर-परिवार में ही नहीं आस-पड़ोस और समाज में भी किसी प्रकार के दुर्व्यवहार या अन्याय के प्रतिकार का सामर्थ्य हर महिला में अवश्य होना चाहिए।

जरूरी है बुराइयों के प्रतिकार का सामर्थ्य

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

हमारे परंपरागत पर्व हर मोर्चे पर जीवन साधने की सीख लिए होते हैं। नवरात्र के नौ दिनों में मन की शक्ति जुटाने के बाद आने वाला विजय दशमी का पर्व बुराई के प्रतिकार का हौसला रखने का संदेश देता है। यह त्योहार अहंकार और आक्रामकता पर विनम्रता और अच्छाई की जीत का उत्सव है। प्रभु श्रीराम की विजय के इस पावन पारंपरिक पर्व पर महिलाएं भी व्यावहारिक जीवन में बुराइयों से जूझने का पाठ पढ़ सकती हैं। असल में किसी भी तरह की बुराई से लड़ने के लिए मन की शक्ति को साधने के साथ ही समझ और सूझ-बूझ के साथ जीवन के मैदान में डटे रहना होता है। घर हो या बाहर, महिलाएं अपनी समझ, स्नेह और साथ-सहयोग के भाव संग हर तरह की नकारात्मक सोच, दुर्व्यवहार और दुष्प्रवृत्ति को मात दे सकती हैं।

स्पष्ट सोच और मजबूत मन

सबसे पहले तो हर स्त्री को खुद में, अपने ही जीवन से जुड़ी परेशानियों का प्रतिकार करने की सोच लानी होगी। उन समस्याओं के कारणों को समझना होगा। संबंधों से जुड़ी उलझनें हों या दूसरों के गलत व्यवहार से उपजी तकलीफें, हिम्मत के साथ दिलोदिमाग में स्पष्टता भी रखनी होगी। यूं भी जिंदगी के किसी भी मोर्चे पर मन-मस्तिष्क को मजबूत



बनाकर ही किसी बुराई से जूझा जा सकता है। सधी सोच हो, तो ही गलत बात का विरोध किया जा सकता है। नकारात्मकता से लड़ा जा सकता है। मुखर होकर अपनी बात कही जा सकती है। इसीलिए बात परिवार की हो या परिवेश की, सबसे पहले हालात को समझते हुए अपने दिलोदिमाग की उथल-पुथल को ठहराव दें। यह साफ समझें कि किसी तरह के बुरे बर्ताव, बोलचाल या बदसलूकी का विरोध करना है, तो करना है। इसमें अपना पराया न देखें। गलत को गलत कहने के लिए अपनी सोच स्थिर और स्पष्ट रखें। बुराई से लड़ने के मामले में एक बार कदम आगे बढ़ा लें तो पीछे ना हटें। यह तभी संभव है, जब अपनी सोच और मन मजबूत हो।

सहयोग लेने का रखें सहज भाव

प्रभु श्रीराम ने रावण से युद्ध जीतने के लिए वानरों का भी सहयोग लिया। अधर्म से दूरी बनाकर निःस्वार्थ भाव से दिए गए विभीषण के मार्गदर्शन को मान दिया। माता सीता को वापस लाने की जद्दोजहद में विनम्रता के साथ सबकी सलाह सुनी। दूसरों के विचारों को मान दिया। महिलाओं को भी बुराइयों के प्रतिकार हेतु ऐसी ही सहज समझ रखनी चाहिए। किसी की सहायता करने के लिए बड़ा दिल रखना ही नहीं, सहायता लेने की खुली सोच रखना भी बुराई से लड़ने के लिए जरूरी है। पर्सनल फ्रंट हो या सामाजिक-पारिवारिक मोर्चा, बुराई से अकेले नहीं लड़ा जा सकता।

साथ, सहयोग देने और जुटाने का गुण हर मुश्किल और अमानवीय बुराई से जूझने के लिए जरूरी है। इसके लिए अहंकार से बचें। यहां तक कि किसी महिला का साथ देने के लिए पुरुष का सहयोग लिया जा सकता है। आपसी समझ अच्छी हो तो पति, बेटे, भाई या पिता, स्त्री जीवन से जुड़ी समस्या से लड़ने में भी आपके मददगार बन सकते हैं। कई बार मुश्किल वक्त में भी ईगो साथ लेने ही नहीं, सहयोग देने में भी खूब आड़े आता है। जबकि स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन समझाता है कि सभी को साथ लेकर चलने की सोच, घर से लेकर बाहर तक बड़े बदलाव लाने का माध्यम बनी है। बुराइयों से जूझने के दौर में संबल देने वाली साबित हुई है।



अच्छाई का साथ देने का सामर्थ्य

बुराई के प्रतिकार के साथ ही इसको जड़ें जमाने से रोकने के लिए भी अच्छाई का साथ देना जरूरी है। नेकी का परिवेश नकारात्मक को फलने-फूलने नहीं देता। असत्य पर सत्य की जीत का पर्व, दशहरा भी यही समझाता है कि चाहे जितनी भी मुश्किलें आएं, विजय सच की ही होती है। सच्चाई के साथ अच्छाई के लिए लड़ना आसान हो जाता है। बुराई से जीतने की जंग कठिन होने पर भी उस पर चलने की हिम्मत बनी रहती है। सही बात का समर्थन करने का साहस बना रहता है। इसीलिए फायदे-नुकसान या मुश्किल-आसान के फेर में न पड़कर सच के साथ खड़ी रहें। घरेलू मामलों में कई बार सही-गलत का चुनाव मुश्किल हो जाता है। किसी एक पक्ष का साथ देने का दबाव भी रहता है। स्वतंत्र निर्णय लेने से रिश्तों में और उलझनें बढ़ने की फिक्र भी सताती है। पर याद रहे कि सही रास्ता चुनना और सही के साथ खड़े होने का गुण ही आपके सजग अस्तित्व का प्रतीक है।

दूरदर्शी सोच अपनाएं

ससुराल में बेटी के हिस्से आ रही बेवजह की तकलीफें हों या असुरक्षा के घेरे में फंसी आस-पड़ोस की कोई महिला, बहुत-सी स्त्रियां इन बातों-हालातों को समझती हैं, लेकिन साथ देने में जरा देर कर देती हैं। 'सब ठीक हो जाएगा' की सोच से बुराई के घाव अकसर नासूर बन जाने के बाद संभाले जाते हैं। समय रहते चेत जाने का गुण हर तरह की अनीति और अपराध से लड़ने का मुख्य हथियार है। छेड़छाड़ के दुर्व्यवहार की अनदेखी का नतीजा कई बार बर्बर घटना के रूप में सामने आता है। अपने बच्चों का बचपना लगने वाली दिशाहीनता, विरोध न किया जाए तो वे अपराध तक कर बैठते हैं। समय रहते सख्ती न बरती जाए तो बच्चे बुरी लत में फंस जाते हैं। देवरानी-जेठानी हों या घर के बड़े-बुजुर्ग छोटा-मोटा मनमुटाव रिश्तों में एक कटुता पैदा कर देता है। इसीलिए महिलाओं को समझना होगा कि सभी बुराइयों की शुरुआत बहुत आम से लगने वाले व्यवहार से होती है। एक सामान्य या मन को उद्वेलित करने वाला विचार हर तरह की नकारात्मकता की जड़ बन जाता है। जरूरी है कि स्त्रियां छोटी-छोटी बातों को लेकर भी सचेत रहें। विवेकशील सोच के साथ समस्याओं से जूझने के कदम उठाएं। समय रहते चेत जाएं तो परिवार हो या समाज, हर अनैतिक और असभ्य व्यवहार को पहले ही कदम पर रोका जा सकता है। दूरदर्शिता का गुण दुष्प्रवृत्ति से लड़ने के लिए बहुत जरूरी है। बुराई के जड़ें जमाने से पहले ही उखाड़ फेंकने के लिए भी यह दूरदर्शिता आवश्यक है।

अपनी बुराइयों के अंत के लिए बच्चों को ऐसे करें प्रेरित

नादान बच्चे अनजाने में कुछ बुरी आदतें अपना लेते हैं। इन बुरी आदतों को अभिभावक डांटकर नहीं, प्यार से सुधारें। उन्हें अच्छी आदतों के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही बड़े बच्चों के सामने अपना आचरण भी ऐसा रखें कि वे अच्छी बातें अपनाने के लिए प्रेरित हों।

बच्चे और आप
पूर्ति खरे



हर साल दशहरे पर बच्चे अपने माता-पिता के साथ रावण दहन देखने जाते हैं। जब बच्चे रावण के पुतले को जलते हुए देखते हैं, तो उनके मन में कई सवाल उठते हैं- रावण क्यों जलाया जाता है? अगर बुराई पर अच्छाई की जीत का नाम विजय दशमी है, तो अच्छाई और बुराई कैसे पहचानें? हम अच्छे कैसे बनें? आप बच्चों के मन में उठते इन सवालों का जवाब जरूर दें, उन्हें बताएं कि विजय दशमी में बुराई पर अच्छाई की जीत केवल राम और रावण की कहानी नहीं है, यह कहानी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ती है। यह हमारे लिए एक बड़ा सबक है। हम बच्चों को कैसे बुराइयों से दूर रखें, उन्हें अच्छा बनने के लिए प्रेरित करें, यहां विस्तार से जानिए

गलती स्वीकारना और सुधारना सिखाएं: बच्चा झूठ बोलता है, गुस्सा करता है या अपनी गलती स्वीकार नहीं करता, तो हम उसे जिद्दी, झूठा या बिगड़ैल कह देते हैं। लेकिन बच्चे को डांटने या बुरा कहने के बजाय उसके व्यवहार को सुधारने का प्रयास करना चाहिए। उसे समझाएं कि गलती किसी से भी हो सकती है, लेकिन उसे स्वीकार करना और सुधारना एक अच्छी बात है।



डांटकर नहीं, प्यार से समझाएं: मान लीजिए, बच्चे ने खेलते समय कोई सामान तोड़ दिया है। डर के कारण वह झूठ बोल देता है कि उसने नहीं तोड़ा। ऐसे में बच्चे को अपमानित करने के बजाय प्यार से पूछें, 'सच-सच बताओ, यह चीज टूटी कैसे। प्रॉमिस करो, आगे से ऐसी कोई हरकत नहीं करोगे, जिससे कोई नुकसान हो।' इससे बच्चा समझेगा कि सच बोलना, गलती छिपाने से बेहतर है।

तुलना नहीं, प्रोत्साहित करें: जब बच्चे के किसी दोस्त को अच्छे अंक मिलते हैं या भाई-बहन को कोई उपहार मिलता है, तो बच्चे के मन में ईर्ष्या के भाव आ सकते हैं। ऐसे में उसे डांटने के बजाय समझाएं कि किसी दूसरे की सफलता का मतलब हमारी हार नहीं है। किसी दूसरे बच्चे से तुलना करने के बजाय, उसको अच्छे प्रयास करने के लिए प्रेरित करें, उसके इस प्रयास के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि वह अपनी क्षमताओं पर भरोसा करना सीखें।

बातें सुनें और जिम्मेदारियां समझाएं: बच्चों के साथ बैठकर उनकी बात सुनें और उन्हें अपनी जिम्मेदारियां समझाएं। साथ ही अपने व्यवहार से भी वही उदाहरण प्रस्तुत करें, जिसकी अपेक्षा आप बच्चों से करते हैं। बच्चों में सही गलत बात की सीख और समझ जरूर विकसित करें। वह कभी किसी के दबाव में आकर कोई गलत काम ना करें, न ही किसी गलत बात का समर्थन करें। बच्चों को गलत बातों का विरोध करना भी सिखाएं। वे हमेशा सच्चाई का साथ दें, झूठ से दूर रहें।

सकारात्मक परवरिश का सार : क्यों न, इस विजय दशमी परिवार के सभी सदस्य अपनी एक बुरी आदत खत्म करने का संकल्प लें। जैसे- बच्चा कहे कि वह गलती होने पर सच-सच बताएगा। माता-पिता संकल्प लें कि वे गुस्से में ऊंची आवाज में नहीं बोलेंगे। पैरेंट्स भी उन बुरी आदतों को छोड़ेंगे, जिनके लिए अपने बच्चों को रोकते-टोकते हैं। सप्ताह के अंत में परिवार के सभी सदस्य बैठकर आपस में चर्चा करें कि कौन, कितना अपना संकल्प अमल में लाया। कोई गलती होने पर गुस्साने के बजाय बच्चों को सुधारने के लिए प्रेरित करें। बच्चों को यह भी समझाएं कि दूसरों का मजाक उड़ाना या किसी कमजोर को परेशान करना सही नहीं है। यदि वे किसी को दुःख पहुंचाते हैं, तो उनसे माफी मांगे और अपनी गलती सुधारें। जिस दिन बच्चा अपनी गलती पहचानकर उसे सुधारने की कोशिश करना सीख जाता है, उसी दिन बुराइयों पर अच्छाई की जीत शुरू हो जाती है। ऐसी ही छोटी-छोटी जीतें मिलकर एक संवेदनशील और जिम्मेदार इंसान बनाती हैं। यही विजय दशमी की सच्ची सीख है, यही सकारात्मक परवरिश का सार भी है।

दशहरा बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक तो है ही। यह पर्व प्रतीकात्मक रूप में महिलाओं को अपनी आंतरिक शक्ति पहचानने के लिए भी प्रेरित करता है, नई पीढ़ी को संस्कारित भी करता है।

महिलाओं के लिए शक्ति आह्वान संस्कार पोसने का पर्व है दशहरा

पर्व-संदेश
वीरेंद्र बहादुर सिंह

दशहरा यानी विजय दशमी, बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व तो है ही, साथ ही महिलाओं के लिए दशहरा अपने भीतर छिपी शक्ति को पहचानने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और नई पीढ़ी को संस्कारित करने का अवसर भी है।

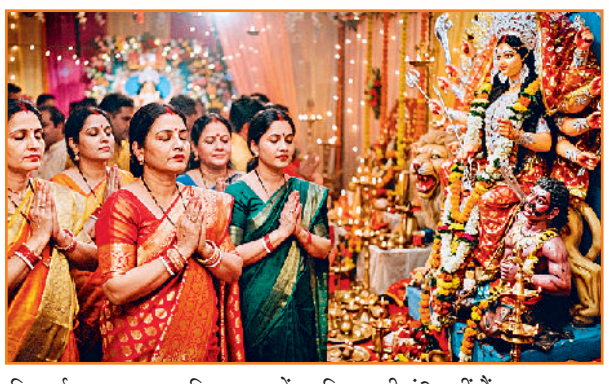

नारी शक्ति का प्रतीक देवी दुर्गा: विजय दशमी से जुड़ी देवी दुर्गा और महिषासुर की कथा, नारी शक्ति का सबसे प्रभावशाली प्रतीक मानी जाती है। इस कथा का संदेश आज भी प्रासंगिक है। महिला चाहे गृहिणी हो, नौकरीपेशा हो, व्यवसायी हो या किसी अन्य क्षेत्र में कार्यरत हो, उसके भीतर परिस्थितियों से संघर्ष करने और परिवार को संभालने की अद्भुत क्षमता होती है।



बच्चों को देती हैं संस्कार: बच्चों को रामायण की कथा सुनाना, सत्य-धर्म का महत्व समझाना तथा बड़ों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना भी हमारी माताओं और दादियों की परंपरा का हिस्सा रहा है। इस तरह महिलाएं त्योहार के माध्यम से संस्कारों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाती हैं। आज इस बात की बहुत जरूरत है कि बच्चों (खासतौर पर बेटियों) को केवल त्योहारों की पूजा-पद्धति न सिखाई जाए, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता, शिक्षा, आत्मरक्षा, निर्णय लेने की क्षमता और अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता का संस्कार भी दिया जाए। दशहरा हमें सिखाता है कि शक्ति का अर्थ केवल बाहरी सामर्थ्य नहीं, बल्कि सही और गलत के बीच अंतर समझना है।

करें आत्मचिंतन: दशहरे पर घर में पूजा, दीप प्रज्ज्वलन, शंखनाद और आरती के साथ वातावरण भक्तिमय हो जाता है। लेकिन त्योहार की सार्थकता तब और बढ़ती है, जब पूजा के साथ आत्मचिंतन भी किया जाए। आप स्वयं से पूछ सकती हैं कि क्या मैं अपने लिए भी समय निकालती हूं? कहीं मैं आत्मसम्मान से समझौता तो नहीं कर रही? इन सवालों के जवाब आपको आत्मसुधार के लिए प्रेरित करेंगे।

चुनौतियां से लड़ने की प्रेरणा: रावण के दस सिर को यदि प्रतीकात्मक रूप से देखें, तो वे अहंकार, क्रोध, लोभ, मोह, ईर्ष्या और अन्य नकारात्मक प्रवृत्तियों की याद दिलाते हैं। महिलाओं के जीवन में भी कई प्रकार की सामाजिक और मानसिक चुनौतियां आती हैं। भेदभाव, असुरक्षा, रूढ़ियां, आत्मविश्वास की कमी और दूसरों की अपेक्षाओं का दबाव जैसी नकारात्मकताओं पर विजय पाने की प्रेरणा भी यह पर्व देता है।

वास्तविक विजय का अर्थ: दशहरा इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह आपको अपनी आंतरिक शक्ति पहचानने का अवसर देता है। इस दिन अपने भीतर के डर, हीनभावना, क्रोध या आत्मविश्वास की कमी को भी दूर करने का संकल्प लें, तो विजय दशमी पर्व का संदेश और सार्थक हो सकता है।

फेस्टिव सीजन के लिए परफेक्ट है मिनरल मेकअप

मेकअप
प्रीति गुप्ता

जब बात फेस्टिव सीजन में सजने-संवरने की आती है, तो महिलाएं खूबसूरत दिखने के लिए खूब चाव से मेकअप करती हैं। जहां पहले के दौर में फेस्टिव मेकअप में हैवी फाउंडेशन, कंसीलर और कई लेयर वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल ज्यादा किया जाता था, वहीं अब नेचुरल और लाइट मेकअप का ट्रेंड पसंद किया जा रहा है। इसी वजह से मिनरल मेकअप भी महिलाओं के बीच पॉपुलर हो रहा है। इसमें चेहरे को बहुत ज्यादा ढंकने के बजाय त्वचा की नेचुरल खूबसूरती को बनाए रखने पर जोर दिया जाता है।

त्वचा को करें तैयार: मिनरल मेकअप का अच्छा लुक पाने के लिए पहले पहले स्किन की तैयारी जरूरी है। चेहरे को साफ करने के बाद अपनी स्किन टाइप के अनुसार मॉयश्चराइजर लगाएं। दिन में फंक्शन है तो सनस्क्रीन लगाना न भूलें। अच्छी तरह मॉयश्चराइज की गई त्वचा पर मेकअप ज्यादा स्मूद दिखाई देता है।

मिनरल फाउंडेशन करें यूज: अगर आप मिनरल फाउंडेशन या मिनरल पावडर इस्तेमाल कर रही हैं, तो इसकी बहुत मोटी लेयर लगाने से बचें। जहां जरूरत हो, वहीं हल्की मात्रा में लगाएं। इसका उद्देश्य आपकी रंगत को थोड़ा समान दिखाना है। इससे चेहरा नेचुरल नजर आएगा।

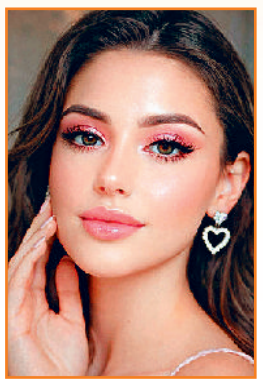

कंसीलर सिर्फ जरूरत वाली जगह लगाएं: त्योहारों के मेकअप में आंखों के नीचे हल्के डार्क सर्कल या छोटे दाग-धब्बों को कवर करने के लिए कंसीलर लगाया जा सकता है। लेकिन पूरे चेहरे पर इसकी मोटी परत लगाने की जरूरत नहीं है। कम प्रोडक्ट इस्तेमाल करने से मेकअप ज्यादा नेचुरल ही नहीं अधिक आकर्षक भी दिखाई देता है।

आंखों को दें सॉफ्ट टच: आंखों के लिए बहुत ज्यादा गहरा मेकअप करने के बजाय ब्राउन, गोल्डन या सॉफ्ट शिमरी शेड चुन सकती हैं। पतली आईलाइनर लाइन और हल्का सा मस्कारा आंखों को खूबसूरत बनाने के लिए काफी है। अगर शाम का फंक्शन है, तो आंखों के अंदरूनी कोने पर हल्का शिमर लगाया जा सकता है।

ब्लश से मिलेगी फ्रेशनेस: मिनरल मेकअप में ब्लश का इस्तेमाल चेहरे को फ्रेश और हेल्दी लुक देने के लिए किया जाता है। पीच, सॉफ्ट पिंक या रोजी शेड के ब्लश, त्योहारों के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं। ब्लश को गालों पर हल्के हाथों से लगाएं ताकि ब्लश का शेड ज्यादा गहरा न दिखे।

होंठों पर सॉफ्ट कलर: मिनरल मेकअप के साथ होंठों पर न्यूड, रोज, पीच या सॉफ्ट ब्राउन शेड खूबसूरत लग सकते हैं।

हाईलाइटर: सबसे लास्ट में चीकबोंस, नाक के ऊपरी हिस्से और आंखों के अंदरूनी कोने पर थोड़ी मात्रा में हाईलाइटर लगाएं।

(ब्यूटी एक्सपर्ट सिमरन अरोड़ा से बातचीत पर आधारित)

त्योहारों में जरूरी है खुद की देखभाल

त्योहार अपनों के साथ खुशियां मनाने के लिए होते हैं, खुद को थकाकर बीमार करने के लिए नहीं। जब आप अपना ध्यान रखेंगी, देखभाल करेंगी, तभी त्योहारों का असली आनंद ले पाएंगी।

सेल्फ केयर
पारुल अग्रवाल मित्तल

पर्व-त्योहार खुशियां लेकर जरूर आते हैं, लेकिन इन दिनों घर की महिलाओं के काम बहुत ज्यादा बढ़ जाते हैं। घर की साफ-सफाई, खरीदारी, पकवान बनाना और मेहमानों की खातिरदारी का सारा बोझ उन पर ही होता है। इससे अकसर महिलाएं तनाव में आ जाती हैं, इसे मेडिकल भाषा में फेस्टिव बर्नआउट हैं। इसलिए त्योहारों पर कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

अपने आपको न भूलें: त्योहारों में महिलाओं की जिम्मेदारियां बहुत बढ़ जाती हैं। वे यह भूल जाती हैं कि त्योहार की खुशी में उनका अपना हिस्सा भी उतना ही जरूरी है, जितना बाकी सबका। इसलिए इस बार त्योहार की तैयारी में अपने आपको भूलें नहीं, त्योहार की खुशी का हिस्सा बनें।

अपने लिए सजे-संवरें: त्योहार पर सजना-संवरना सिर्फ दूसरों की खुशी के लिए नहीं, अपनी खुशी के लिए भी जरूरी है। आप अपनी पसंद की ड्रेस पहनें, बाल संवारें, मेकअप करें, अपनी पसंद की कोई एसेसरी पहनें। ये सब अपने आपको खुशी देते हैं। त्योहार पर आईने में खुद को देखकर मुस्कुराना आत्मविश्वास बढ़ाता है। इस आत्मविश्वास की एक अलग ही खुशी महसूस होती है।



मुस्कुराता हुआ हो आपका चेहरा: त्योहारों की रोशनी सिर्फ घर के दीयों से ही नहीं, घर के लोगों के मुस्कुराते चेहरों से भी आती है। इस रोशनी में सिर्फ आपका मुस्कुराता चेहरा ही नहीं, परिवार के बाकी सदस्यों का चेहरा भी मुस्कुराता हुआ होना जरूरी है। इसलिए इस त्योहार घर की सफाई करते हुए अपने मन की थकान भी हमेशा साफ रखें। त्योहारों की छोटी-सी सेल्फ-केयर है, काम का बेहतर बंटवारा। इससे आपको खुशी मिलेगी और घर में खुशनुमा माहौल भी बनेगा।

स्वाद के साथ सेहत का भी रखें ख्याल: त्योहारों पर अधिक मिठाइयां और तला-भुना खाना शरीर पर भारी पड़ सकता है। इसके लिए डाइट को बैलेंस करें। एक टाइम हैवी डाइट ली है, तो दूसरे टाइम कुछ लाइट खाएं। बार-बार चाय, कॉफी और कोल्ड ड्रिंक्स से बचें। पानी पर्याप्त मात्रा में पीती रहें। भोजन में फल, सलाद और हल्का खाना शामिल करें। त्योहार की खुशी अगले दिन भारीपन, एसिडिटी या थकान में न बदल जाए, इसका ध्यान रखना अपनी देखभाल का हिस्सा है।

पर्याप्त नींद लें: त्योहारों की तैयारियों में अकसर रात देर तक जागना और सुबह जल्दी उठना सामान्य सी दिनचर्या हो जाती है। कुछ जिम्मेदारियां परिवार के दूसरे सदस्यों को भी दें और अपनी नींद को प्राथमिकता दें। इससे आप अपना फ्रेश फील करेंगी।

काम के बीच लेती रहें ब्रेक

जब आप लगातार काम करती हैं, तो शरीर और दिमाग दोनों थक जाते हैं। ऐसे में त्योहारों से पहले अपने सभी कामों की सूची बना लें। कोशिश करें कि आप कामों के बीच छोटे-छोटे ब्रेक लें। इस दौरान चाय-कॉफी के साथ कुछ देर शांत बैठना, थोड़ी देर टहलना, संगीत सुनना या फिर बस आंखें बंद करके आराम करना भी पर्याप्त है, इससे आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और चेहरे पर ताजगी बनी रहेगी।



न्यूज डायरी



रंगोली प्रतियोगिता में करीना रही प्रथम

झज्जर। राजकीय महाविद्यालय मातनहेल में छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के लिए महिला प्रकोष्ठ द्वारा सोमवार को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लेते हुए अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल में साक्षी सैनी, शिवानी और ज्योति शामिल रहे। महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉक्टर अन्नू ने बताया कि प्राचार्य डॉक्टर सुशील दलाल की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रतियोगिता में बीएससी प्रथम वर्ष से करीना ने प्रथम, बीए द्वितीय वर्ष से सपना ने द्वितीय और बीसीसी द्वितीय वर्ष से जानशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेता छात्राओं को प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया।

भागवत कथा में सुदामा चरित्र का प्रसंग सुनाया



झज्जर। शहर के पुराना बस स्टैंड परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा का सोमवार को श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ समापन हो गया। कथा व्यास पंडित अरविंद शास्त्री ने समापन अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा के मित्रता प्रसंग का वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। उन्होंने बताया कि श्रीकृष्ण और सुदामा के मित्रता प्रसंग से हमें संदेश मिलता है कि सच्ची मित्रता में धन-दौलत और ऊंच-नीच का कोई स्थान नहीं होता। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बाल सखा सुदामा का जिस प्रेम और सम्मान के साथ स्वागत किया, वह मित्रता, निस्वार्थ प्रेम और समर्पण का अनुपम उदाहरण है। यह प्रसंग सिखाता है कि सच्चा मित्र वही होता है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी साथ निभाए और बिना किसी स्वार्थ के अपने मित्र का सम्मान करे। उन्होंने राजा परीक्षित को शुकदेव जी द्वारा दिए गए अंतिम उपदेश और मार्कण्डेय जी को प्रलय के दर्शन कराने सहित विभिन्न धार्मिक प्रसंगों का वर्णन भी किया।



महिलाओं को डायल 112 की दी जानकारी

झज्जर। जिला पुलिस द्वारा क्षेत्र के गांव सिलानी स्थित वेयरहाऊस में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कर्मचारियों को नशे के दुष्प्रभावों और इससे होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। महिलाओं को बताया गया कि किसी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या असुरक्षा की स्थिति में चुप रहने के बजाय पुलिस की सहायता लें और अपनी शिकायत दर्ज करवाएं। इसके साथ ही कर्मचारियों को आपातकालीन सहायता के लिए डायल 112, साइबर ठगी से बचाव, अनजान लिंक पर क्लिक न करने, ओटीपी किसी के साथ साझा न करने तथा साइबर अपराध होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराने के प्रति जागरूक किया गया।



विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया

बहादुरगढ़। पुलिस की ओर से सोमवार को गांव सांखोल के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रोड सेफ्टी टीम के प्रभारी सत्यप्रकाश सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को एसपीसी कार्यक्रम की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि एसपीसी कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में अनुशासन, जिम्मेदारी, कानून के प्रति सम्मान और सामाजिक दायित्वों की भावना विकसित करना है। इसके साथ ही उन्हें यातायात नियमों की पालना करने तथा सड़क पर सुरक्षित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।



परनाला स्कूल में छात्राओं को किया सम्मानित

बहादुरगढ़। रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली परनाला के पीएम श्री गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सोनम, मुस्कान, राधा, जया, तान्या, संध्या, रितिका, नंदिनी और कविता को प्रशस्ति पत्र, रजिस्टर व पेन-स्टेशनरी देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्या संतोष कुमारी की देखरेख में संपन्न हुए कार्यक्रम में डीपीई गीता ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया। मंच संचालन पूजा शर्मा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सत्येंद्र दहिया, विशिष्ट अतिथि जगबीर सिंह, विकास बंसवाल, राजू प्रधान, विनय बंसवाल व शुभम आदि ने छात्राओं को प्रोत्साहित किया।



छात्रों व शिक्षकों ने लिया बुराइयों के अंत का संकल्प

झज्जर। एलए सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दशहरा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्राचार्या निधि कादियान ने विद्यार्थियों को दशहरे के महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें अहंकार त्यागकर सन्मार्ग पर चलने और विद्या अर्जन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। स्कूल प्रबंधक केएम डागर व भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा ने कहा कि त्योहार भावी पीढ़ी तक संस्कार पहुंचाने का सशक्त माध्यम हैं। रामायण के प्रसंग परिवार को एकजुट रखने और नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देते हैं। स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया और नीलम दहिया ने विद्यार्थियों व अभिभावकों को दशहरे पर्व के महत्व से अवगत कराया।

बादली में लगा समाधान शिविर, सुनीं समस्याएं



बहादुरगढ़। बादली में सोमवार को उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में एसडीएम विशाल कुमार ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए उनका समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखने और उनका प्रभावी समाधान प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हैं। इस अवसर पर तहसीलदार श्रीनिवास समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जूनियर हरियाणा राज्य तैराकी प्रतियोगिता में छाए खिलाड़ी

झज्जर के आरव ने 50 मीटर बटरफ्लाई में जीता गोल्ड

सांसद धर्मबीर सिंह ने विजेता तैराकों को पदक पहनाकर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़



बहादुरगढ़। विजेता तैराकों को पुरस्कृत करते सांसद धर्मबीर सिंह।

शहर की एचएल सिटी में स्थित चैंपियंस एक्वेटिक्स एकेडमी में चल रही 43वीं सब-जूनियर और 53वीं जूनियर हरियाणा राज्य तैराकी चैंपियनशिप का सोमवार को समापन हो गया। एचएसए के प्रधान एवं सांसद धर्मबीर सिंह ने बतौर मुख्यातिथि विजेता तैराकों को पदक पहनाकर सम्मानित किया। साथ ही बैंगलुरू में संपन्न हुई एशियन मास्टर्स स्विमिंग चैम्पियनशिप में हरियाणा के 8 पदक विजेताओं और 10 अन्य प्रतिभागी खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया।

हरियाणा स्विमिंग एसोसिएशन के महासचिव एवं हरियाणा ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष अनिल खत्री ने बताया कि प्रतियोगिता में झज्जर के आरव देशवाल ने ग्रुप 5 में 50 मीटर बटरफ्लाई में गोल्ड, 50 मीटर फ्रीस्टाइल में सिल्वर और 50 मीटर बैक्स्ट्रोक में सिल्वर मैडल हासिल किया। लड़कों के 15-16 आयु वर्ग की 400 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में फरीदाबाद के दर्श सिंह ने पहला, अंबाला के देव कुमार ने दूसरा और झज्जर के रोहित लाठर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कियों के इसी आयु वर्ग में फरीदाबाद की लक्षिता सिंह पहले, गुरुग्राम की इवा गुप्ता दूसरे और लवानी प्रधान तीसरे स्थान पर रहीं। लड़कियों के 13-14 आयु वर्ग की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में अंबाला की ओजस्विनी शर्मा ने पहला, गुरुग्राम की स्वप्निका मान ने दूसरा और अंबाला की आरोही ने तीसरा स्थान हासिल किया। लड़कों के 11-12 आयु वर्ग में गुरुग्राम के पूर्व डबास पहले, आर्यनवीर ठाकुर दूसरे और देवव्रत ठाकरान तीसरे स्थान पर रहे। लड़कों के 13-14 आयु वर्ग में 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के दौरान गुरुग्राम के शिवांश सिंह ने पहला, पलवल के केशव तंवर ने दूसरा और अंबाला के अनीकेश राज ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कियों के 13-14 आयु वर्ग में गुरुग्राम की डिएना राव पहले, अलीशा द्विवेदी दूसरे और फरीदाबाद की गुरमेहर संधू तीसरे स्थान पर रहीं। लड़कियों के 15-16 आयु वर्ग में अंबाला की शक्ति शर्मा ने पहला और भिवानी की अनुष्का ने दूसरा स्थान हासिल किया। बैकस्ट्रोक स्पर्धा के लड़कों के 17-18 आयु वर्ग में पलवल के कार्तिक ने पहला और शाह सतनाम के हरमीत इंसान ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कियों के इसी आयु वर्ग में पलवल की कशिश ने पहला स्थान हासिल किया।

इन खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में लहराया परचम

लड़कों के 13-14 आयु वर्ग की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में झज्जर के विहान ने गोल्ड मैडल जीता। साथ ही 200 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक हासिल किया। जबकि फरीदाबाद के उज्ज्वल यादव दूसरे और हिसार के रमन शर्मा तीसरे स्थान पर रहे। सोनीपत के अनव मलिक 200 मीटर बैकस्ट्रोक में दूसरे और हिसार के नैतिक सिहाग तीसरे स्थान पर रहे। लड़कों के 17-18 आयु वर्ग की 400 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में रोहतक के देवांश कादियान ने पहला, फरीदाबाद के उदित मलिक ने दूसरा और पानीपत के अरमान राठी ने तीसरा स्थान हासिल किया। लड़कियों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में रोहतक की हर्षिता पहले और शाह सतनाम की निबा कुमारी दूसरे स्थान पर रहीं।



विद्यार्थियों को दिलाई बुराइयां छोड़ने की शपथ

झज्जर। पेस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में सोमवार को दशहरा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में तीसरी कक्षा के विद्यार्थियों ने रामायण की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोहा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पर्चियों पर अपनी बुरी आदतें लिखीं और उन्हें रावण के साथ जलाकर बुराइयों को त्यागने का संकल्प लिया। इसके अलावा विद्यार्थियों को अपने माता-पिता की आज्ञा मानने, बड़ों और शिक्षकों का सम्मान करने तथा अच्छे कार्य करने संबंधी शपथ भी दिलाई गई। स्कूल के एमडी संदीप द्वारा रावण के प्रतीकात्मक पुतले का दहन किया गया। इस दौरान डायरेक्टर जय विकास नांदल ने अभिभावकों को दिए अपने संदेश में कहा कि बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ अच्छे संस्कार देना भी जरूरी है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। इस मौके पर चेयरमैन युद्धवीर, मैनेजिंग डायरेक्टर हरीश, सुमित चावला, अश्वनी सहित भी उपस्थित रहे।



श्रीराम के जयघोष के साथ जलाया रावण का पुतला

झज्जर। इंडो-अमेरिकन स्कूल में दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रामायण के प्रसंगों पर आधारित रामलीला का मंचन किया। भगवान श्रीराम और रावण के बीच युद्ध तथा रावण वध के सजीव मंचन ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में रावण दहन किया गया और परिसर जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। निदेशक विजेंद्र कादियान ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को दशहरे का महत्व बताते हुए कहा कि यह पर्व बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से अहंकार, क्रोध और ईर्ष्या जैसी बुराइयों का त्याग कर भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय परंपराओं से जोड़ने के साथ उनमें नैतिक मूल्यों, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं।



समाधान शिविर में डीसी ने सुनीं लोगों की समस्याएं

झज्जर। सोमवार को आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी वर्षा खांगवाल ने आमजन की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के जल्द समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों की लगातार निगरानी की जा रही है। अब तक प्राप्त अधिकांश शिकायतों का समाधान किया जा चुका है, जबकि लंबित शिकायतों के निपटारे के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र, आयुष्मान कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित समस्याएं दर्ज की गई।



एमआर स्कूल में धूमधाम से मनाया दशहरा

झज्जर। एमआर सीनियर सैकेंडरी स्कूल हसनपुर में दशहरा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने रामायण के विभिन्न प्रसंगों का मंचन करने के साथ नृत्य, गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भारतीय संस्कृति की झलक दिखाई। उन्होंने प्रस्तुतियों के माध्यम से सत्य की महत्ता और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। प्राचार्या नेहा शर्मा ने विद्यार्थियों को भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने और अहंकार, क्रोध व असत्य जैसी बुराइयों को त्यागने के लिए प्रेरित किया। निदेशिका संगीता कोडान ने अपने संबोधन में कहा कि दशहरा केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन में सकारात्मकता, नैतिक मूल्यों और आत्मविश्वास को अपनाने का अवसर है। कार्यक्रम प्रभारी रितु दहिया ने बताया कि इस दौरान विद्यार्थियों ने सत्य, सदाचार और मानवता के मार्ग पर चलने का संकल्प भी लिया।

स्वयंसेविकाओं ने रावण रूपी बुराइयों को जलाया

बहादुरगढ़। वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में दशहरा पर्व मनाया गया। स्वयंसेविकाओं ने रावण के प्रतीकात्मक रूप के माध्यम से समाज में व्याप्त दस बुराइयों का दहन किया। प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने कहा कि दशहरा हमें सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। वास्तविक दशहरा तभी सार्थक होगा, जब हम अपने जीवन से अहंकार, अज्ञानता, अंधविश्वास और सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करेंगे। स्वयंसेविकाओं द्वारा दहेज प्रथा, बेरोजगारी, कन्या भ्रूण हत्या, प्रदूषण, नशाखोरी, अशिक्षा, प्लास्टिक का उपयोग, वन कटाई, अंधविश्वास तथा अन्य सामाजिक कुरीतियों को दर्शाया गया। उन्होंने समाज को जागरूक बनाने, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा के प्रसार तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।



बहादुरगढ़। रावण रूपी बुराइयों का दहन करती स्वयंसेविकाएं व प्रिंसिपल।

सूचना

हम, राजेंद्र पुत्र हरिश्वार सिंह व शीला पत्नी राजेंद्र निवासी गांव कानोंदा, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा-124507 बयान करते हैं कि हमारा पुत्र मोहित व पुत्रवधु रीतु हमारे कहने सुनने से बाहर है और हम उनसे अपने तमाम संबंध समाप्त करते हुए अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करते हैं। भविष्य में उनके साथ किसी तरह का लेन-देन करने व व्यवहार रखने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मोहित व उसकी पत्नी रीतु अपने प्रत्येक कार्य के लिए स्वयं जिम्मेवार होंगे। हमारा व हमारे परिवार के सदस्यों का उनसे कोई संबंध व सरोकार नहीं रहा।

काव्य संग्रह बिखरे हुए जज्बात का किया लोकार्पण



बहादुरगढ़। कौशल काव्य पीठ के तत्वावधान में उदीयमान कवयित्री कौशल कबीर सोनू के प्रथम काव्य संग्रह बिखरे हुए जज्बात का लोकार्पण हुआ। काव्य जगत की नवीनतम विधा जनिका पर आधारित इस पुस्तक के लोकार्पण समारोह में साहित्यिक संस्थाओं से जुड़े कवियों-कवयित्रियों ने शिरकत की।

अंतरराष्ट्रीय सकारात्मक साहित्य मंच के उपाध्यक्ष ओमप्रकाश कल्याणे व राष्ट्रीय कवि संगम जींद की संयोजिका शकुंतला काजल शकुन के सानिध्य में हुए इस कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाविद अरमिंदर चौधरी ने की। मंच संचालन गीतकार कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने किया। रोहतक से पधारे डॉ. चंद्र दत्त शर्मा की सरस्वती वंदना से शुरू हुए इस काव्योत्सव में पटौदी के बेबाक कवि जगन्नाथ सोनी, जींद के हरियाणवी गीतकार कदम सिंह, भिवानी के गजलकार पंकज ओम प्रेम, रोहतक के व्यंग्यकार पवन मित्तल, हांसी की युवा कवयित्री खुशबू जैन व झज्जर से खेमचंद सहगल, युवा कवि जय सिंह जीत व कवयित्री डॉ.गौरी अरोड़ा आदि ने भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। इस मौके पर डॉ. मनजीत, विरेंद्र कौशिक, वेद भारती, जगबीर कौशिक, सुनीता श्री, सुरेश कौशिक, मुन्ना दिल्लेरी, मोहित कौशिक व दीपक मिश्र ने भी अपनी प्रतिनिधि रचनाएं प्रस्तुत कीं।

चार हजार करोड़ के निवेश से हरियाणा के विकास को मिलेगी उड़ान : जैन



बहादुरगढ़। वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ पंकज जैन ने सीएम नायब सिंह सैनी के स्वीडन दौरे के दौरान हरियाणा के लिए 4 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों से जुड़े एलओआई पर हस्ताक्षर होने का स्वागत किया। उन्होंने सीएम नायब सिंह सैनी और भाजपा सरकार की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि हरियाणा को औद्योगिक विकास और आर्थिक प्रगति की दिशा में नई मजबूती प्रदान करेगी। डॉ पंकज जैन ने कहा कि प्रदेश में निवेश के नए अवसर विकसित होना हरियाणा की बढ़ती औद्योगिक क्षमता और निवेश के अनुकूल माहौल को दर्शाता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास को गति देने और हरियाणा को उद्योग एवं व्यापार के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। स्वीडन दौरे के दौरान 4 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों से जुड़ा यह कदम प्रदेश की आर्थिक मजबूती के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि निवेश बढ़ने से प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार होगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होने की संभावनाएं मजबूत होंगी। इसके साथ ही व्यापारिक क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलेगा और हरियाणा की अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सकती है।

न्यायालय सिविल न्यायाधीश मुकाम राजगढ़ जिला चूरू

इश्तहार / सम्मन (समाचार पत्र में प्रकाशन हेतु)
प्रार्थना पत्र संख्याः- 18/2025

महाबीर प्रसाद बनाम मनोज भारद्वाज वगैरह
प्रति,
रविंद्र शर्मा पुत्र देवीदत शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी हाउस नंबर-14/14, गिरीराज भवन, गली नंबर-4, मॉडल टाउन, बहादुरगढ़, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा-124507

सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त प्रकरण वास्ते अस्थाई निषेधाज्ञा आदेश 39 नियम 1 व 2 जा० दी० आपके विरूद्ध माननीय न्यायालय में विचाराधीन है। अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि आप दिनांक 19/11/2026 को समय 10.30 बजे माननीय न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें।

निर्धारित दिनांक को उपस्थित नही होने की स्थिति में प्रकरण में विधि के अनुसार एकपक्षीय अथवा अन्य उचित कार्यवाही की जा सकती है। अतः इस इश्तहार के माध्यम से आपको न्यायालय में उपस्थित होने हेतु सूचित किया जाता है।

आदेशानुसार
रीडर / नाजिर
सिविल न्यायाधीश
राजगढ़ जिला चूरू

न्यायालय सिविल न्यायाधीश मुकाम राजगढ़ जिला चूरू

इश्तहार / सम्मन (समाचार पत्र में प्रकाशन हेतु)
नं० दी० :- 32/2025

महाबीर प्रसाद बनाम मनोज भारद्वाज वगैरह
प्रति,
रविंद्र शर्मा पुत्र देवीदत शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी हाउस नंबर-14/14, गिरीराज भवन, गली नंबर-4, मॉडल टाउन, बहादुरगढ़, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर हरियाणा-124507

सूचित किया जाता हैं कि उपर्युक्त प्रकरण वास्ते वाद अंतर्गत स्पेसिफिक रिलीफ एक्ट घोषित किए जाने निरस्त, शून्य व निष्प्रभावी बख्शीशनामा विलेख दिनांक 02-08-1972 व 01-06-2022 आपके विरूद्ध माननीय न्यायालय में विचाराधीन है। अतः आपको निर्देशित किया जाता हैं कि आप दिनांक 19/11/26 को समय 10.30 बजे माननीय न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें।

निर्धारित दिनांक को उपस्थित नही होने की स्थिति में प्रकरण में विधि के अनुसार एकपक्षीय अथवा अन्य उचित कार्यवाही की जा सकती है। अतः इस इश्तहार के माध्यम से आपको न्यायालय में उपस्थित होने हेतु सूचित किया जाता है।

आदेशानुसार
रीडर / नाजिर
सिविल न्यायाधीश, राजगढ़, जिला चुरू

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दीपांशु ने पाया पहला स्थान



झज्जर। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग में कंप्यूटर विज्ञान में नवीनतम नवाचार विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कंप्यूटर विज्ञान विभागाध्यक्ष सौरभ जैन ने बताया कि विद्यार्थियों ने तकनीकी प्रगति, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और आधुनिक आईटी प्रवृत्तियों पर अपने विचार पोस्टरों के माध्यम से प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का निर्णय प्राध्यापक डॉक्टर विकास सुहाग, डॉक्टर सुधीर एवं प्रदीप सुहाग ने किया। प्रतियोगिता में बीसीए द्वितीय वर्ष के दीपांशु, देवेंद्र एवं विराग ने पहला, बीसीए प्रथम वर्ष के सुमित ने दूसरा, एमएससी प्रथम वर्ष के तरुण ने तीसरा स्थान प्राप्त किया जबकि एमएससी द्वितीय वर्ष की सुगंधा, नीलम एवं दिशा के पोस्टर भी प्रशंसनीय रहे।

नहरों को बचाने की आवाज उठाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़



बहादुरगढ़। नहरों को बचाने की अपील करते सामाजिक कार्यकर्ता व बालक।

नदियां, नहरें जीवनदायिनी हैं। प्याज बुझाने के साथ-साथ फसल पैदा करने के लिए भी अहम कड़ी हैं लेकिन शहरी क्षेत्रों में नहरों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है। बहादुरगढ़ क्षेत्र में भी नहरों की हालत बेहद खराब है। आबादी भरे क्षेत्र के आसपास नहरों में कचरा डाला जा रहा है, जिस कारण ये दूषित हो रही हैं।

पर्यावरण प्रेमी एवं सामाजिक कार्यकर्ता जयपाल सांगवान ने मंगलवार को पार्षद सत्यप्रकाश छिकारा व आम नागरिकों के साथ सुनो नहरों की पुकार.. नाम से जागरूकता मुहिम चलाई। देवीलाल पार्क के निकट नहर की दूसरी पुलिया पर लोगों से नहरों को स्वच्छ रखने की अपील की गई। छोटे बच्चे भी इस मुहिम का हिस्सा बने। दरअसल, अष्टमी व नवमीं पर बहुत से लोग इस्तेमाल की गई पूजन सामग्री नहरों में डालने आते हैं। इसे रोकने और लोगों को जागरूक करने के लिए यह मुहिम चलाई गई। लोगों से कहा गया कि पेयजल देने वाली नहरों में पूजन सामग्री व कचरा न डालें। जयपाल सांगवान ने कहा कि नहरें जलघरों और खेतों तक जल पहुंचाने का स्त्रोत हैं। इनका संरक्षण करना हम सबका दायित्व है। लोगों की लापरवाही के कारण आबादी भरे क्षेत्र के आसपास नहरों की हालत नाले जैसी हो जाती है। ये न केवल प्रदूषण को बढ़ावा है बल्कि हमारी सभ्यता पर भी सवालिया निशान है। इस्तेमाल की गई पूजन सामग्री को नहर में डालने के बजाय बेहतर तरीके से निस्तारण किया जाए। हम सब मिलकर प्रयास करेंगे तो बेहतर स्वच्छता भरा माहौल बना सकेंगे।

ब्रह्म समाज सेवा समिति (पंजीकृत), बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा

पंजीकरण संख्याः 06/015/2013/00186

चुनाव कार्यक्रम

मैं, धर्मबीर शर्मा, चुनाव अधिकारी, ब्रह्म समाज सेवा समिति, बहादुरगढ़, के आगामी निर्वाचन हेतु समिति के त्रिवार्षिक चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करता हूं कि समिति के कार्यकारिणी के 10 (दस) पदों- प्रधान, उप प्रधान, महासचिव, सह-सचिव, कोषाध्यक्ष एवं 5 (पांच) कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव सीधी प्रक्रिया द्वारा दिनांक 06-12-2026 को संपन्न होगा, जो कि इस प्रकार हैः-

क्र. सं.	प्रक्रिया	तिथि एवं समय
1	मतदाता सूची का प्रकाशन	21-10-2026 (सुबह 11:00 बजे)
2	HRRS Act, 2012 के नियमानुसार आपत्ति धारा 39(4) में जिला रजिस्ट्रार, फर्म एवं सोसायटी कार्यालय, झज्जर/बहादुरगढ़ में आपत्ति देना	22-10-2026 से 06-11-2026 तक
3	पूरक मतदाता सूची का प्रकाशन	11-11-2026 (सुबह 11:00 बजे)
4	नामांकन पत्र दाखिल करना	15-11-2026 से 16-11-2026 (सुबह 10:00 बजे से शाम 03:00 बजे तक)
5	नामांकन पत्रों की जांच	17-11-2026 (सुबह 11:00 बजे)
6	नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन	17-11-2026 (दोपहर 01:00 बजे)
7	नामांकन पत्र वापस लेना	18-11-2026 (सुबह 11:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक)
8	चुनाव प्रत्याशियों की सूची का प्रकाशन	20-11-2026 (सुबह 11:00 बजे)
9	प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह का आवंटन	22-11-2026 (सुबह 11:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक)
10	मतदान, यदि आवश्यक हुआ	06-12-2026 (सुबह 10:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक)
11	मतदान का परिणाम	मतदान समाप्ति के बाद
12	निर्वाचित प्रत्याशियों को प्रमाण-पत्र	09-12-2026 (दोपहर 02:00 बजे)

नोटः-
1) नामांकन शुल्क प्रधान पद के लिए ₹5,100/- (रुपये पांच हजार एक सौ मात्र) नकद होगा।
2) नामांकन शुल्क उप प्रधान, महासचिव, सह-सचिव एवं कोषाध्यक्ष के लिए ₹3,100/- (रुपये तीन हजार एक सौ मात्र) प्रति पद नकद होगा।
3) नामांकन शुल्क कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए ₹2,100/- (रुपये दो हजार एक सौ मात्र) प्रति पद नकद होगा।
4) नामांकन शुल्क जो उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र वापस लेगा, उसे नियमानुसार उसकी नामांकन राशि वापस की जाएगी।
5) चुनाव ब्रह्म समाज सेवा समिति, सेक्टर-2, बहादुरगढ़ के निर्धारित परिसर में होगा।
6) मतदाता सूची चुनाव अधिकारी/समिति कार्यालय में उपलब्ध रहेगी। मतदाता सूची की प्रति ₹100/- अदा करके प्राप्त की जा सकती है।
7) चुनाव चिन्ह हिंदी वर्णमाला के अनुसार दिया जायेगा।
8) किसी भी स्थिति में चुनाव अधिकारी का निर्णय चुनाव प्रक्रिया के संबंध में अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।
9) मतदान पहचान के लिए मतदाता को मूल प्रमाण-पत्र, जिसमें आधार कार्ड/वोटर कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस/आर्म्स लाइसेंस/पासपोर्ट/पैन कार्ड/राशन कार्ड/ बैंक पासबुक (फोटो सहित) आदि में से किसी एक मूल दस्तावेज को प्रस्तुत करना होगा तथा वही मान्य होगा। मूल पहचान-पत्र के बिना वोट/मत डालने का अधिकार नहीं होगा।

दिनांकः 19-10-2026
स्थानः बहादुरगढ़

धर्मबीर शर्मा
(चुनाव अधिकारी)
मोबाइलः 9416228600



झज्जर। मंचन के दौरान श्रीरामचंद्र, माता सीता व लक्ष्मण की भूमिका में विद्यार्थी।

रामलीला मंचन के दौरान विद्यार्थियों ने मोहा मन

झज्जर। कैम्ब्रिज इंटरनेशनल स्कूल बिरड़ में सोमवार को रामलीला एवं दशहरा उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की भूमिकाएं निभाकर दर्शकों का मन मोहा। उन्होंने आकर्षक वेशभूषा और अभिनय के माध्यम से बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। कैम्ब्रिज ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन शरद यादव ने विद्यार्थियों को दशहरे पर्व का महत्व बताते हुए विद्यार्थियों को भगवान श्रीराम के आदर्शों और उनके दिखाए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य प्रदीप नेहरा ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान, आत्मविश्वास और रचनात्मकता बढ़ाते हैं।



झज्जर। कार्यक्रम में विद्यार्थियों व शिक्षकों के बीच उपस्थित निदेशक धर्मेंद्र जून।

अच्छाई की जीत का दिया संदेश

झज्जर। कैंब्रिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदाना में सोमवार को दशहरे पर्व के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान और विभीषण सहित रामायण के विभिन्न पात्रों का अभिनय निभाते हुए सभी का मन मोहा। विद्यालय निदेशक धर्मेंद्र जून ने कहा कि दशहरा पर्व बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों को भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाने, बड़ों का सम्मान करने और अच्छे संस्कारों के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।



झज्जर। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

आरईडी विद्यालय में बुराइयों के त्याग का दिया संदेश

झज्जर। आरईडी विद्यालय में सोमवार को दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में विशेष प्रातःकालीन सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तीसरी से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने राम आएंगे भजन की मनमोहक प्रस्तुति दी। पहली और दूसरी कक्षा के विद्यार्थियों ने रामायण पर आधारित लघु नाटिका के माध्यम से बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। नर्सरी से यूकेजी तक के बच्चों ने दस बुराइयों के प्रतीक दस गुब्बारे हवा में छोड़कर बुराइयों को त्यागने का संदेश दिया। प्राचार्या मंजू मढ़ाड़ ने विद्यार्थियों को आलस्य, झूठ, क्रोध, ईर्ष्या और अहंकार जैसी बुराइयों को छोड़ने तथा अनुशासन, एकाग्रता और अच्छे संस्कार अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि दशहरा केवल रावण दहन का पर्व नहीं, बल्कि अपने भीतर की बुराइयों को समाप्त कर सत्य, सदाचार और सकारात्मक सोच लाने का पर्व है।

प्राचीन रामलीला मैदान में रही दर्शकों की भीड़

अशोक वाटिका उजाड़ने का दृश्य रहा आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

शहर में चल रहे रामलीला मंचन के दौरान पुराना बस स्टैंड स्थित श्री लव-कुश रामलीला में रविवार की रात हनुमान जी द्वारा लंका में प्रवेश कर अशोक वाटिका उजाड़ने का दृश्य आकर्षण का केंद्र रहा। मंचन के दौरान दिखाया गया कि जब बाली वध के बाद वानर राज सुग्रीव की सेना माता सीता की तलाश में चारों दिशाओं में निकलती है तो हनुमान जी के नेतृत्व वाली वानर सेना लंका से पहले सागर तट पर आकर रुक जाती है।

इसके बाद जाबवंत जी द्वारा उन्हें उनकी शक्ति याद दिलाई जाती है तो विशाल समुंदर को वायु मार्ग से पार करने में सफल होते हैं और वहां लंका में प्रवेश कर जाते हैं। जब हनुमान जी अशोक वाटिका में बैठी माता सीता से मिलकर उन्हें भगवान श्रीरामचंद्र जी का संदेश देते हैं तो सीता माता प्रसन्न हो जाती हैं। इसके बाद जब हनुमान जी सीता माता से भूखा होने की बात करते हुए अशोक वाटिका के वृक्षों पर लगे फल खाने की अनुमति मांगते हैं तो सीता जी उन्हें पहरेदार राक्षसों से नजर बचाते हुए फल खाने की सलाह देती है। बाद में हनुमान जी जहां पूरी अशोक वाटिका उजाड़ देते हैं वहीं लंकापति रावण के पुत्र अक्षय कुमार का भी वध कर देते हैं। इसके बाद रावण के बड़े पुत्र मेघनाद अशोक वाटिका पहुंचते हैं तथा उन्हें ब्रह्मपाश की सहायता से बंदी बनाकर रावण के दरबार ले आते हैं। यहां हनुमानजी और लंकापति रावण के बीच संवाद भी होते हैं।

बाद में हनुमान जी को दंड के उद्देश्य से उनकी पूंछ में आग लगाई जाती है तो उछल कूद करते हुए पूरी लंका जला डालते हैं। इसी प्रकार भगत सिंह चौक के नजदीक आयोजित श्रीविकास रामलीला में भी लगभग इन्हीं दृश्यों का मंचन किया गया। सोमवार को प्राचीन रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित बहादुरगढ़ रोड स्थित प्राचीन रामलीला मैदान में दर्शकों की खासी की भीड़ रही।



झज्जर। मंचन के दौरान अशोक वाटिका में हनुमान जी को बंदी बनाने पहुंचे मेघनाद।

अबकी बार तीन स्थानों पर होगा रावण दहन

अबकी शहर में प्राचीन रामलीला मैदान के अलावा रात्रि रामलीलाओं में भी रावण, मेघनाद व कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया जाएगा। शहर में भगत सिंह चौक के नजदीक श्री विकास रामलीला व पुराना बस स्टैंड स्थित श्री लवकुश रामलीला परिसर में दशहरा उत्सव के दौरान पुतला दहन किया जाएगा। तीनों स्थानों पर रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले सजा दिए गए हैं।

आरएस मॉडर्न स्कूल में मनाया विजयादशमी पर्व

झज्जर। आरएस मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सोमवार को विजयादशमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्राचार्या शशिबाला ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के डायरेक्टर घनश्याम वर्मा द्वारा भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना से किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रामायण पर आधारित मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन और नृत्य-नाटिका प्रस्तुत कर सभी का मन मोहा। उन्होंने रावण दहन के साथ विद्यालय परिसर में श्रीराम का जयघोष करते हुए बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। डायरेक्टर घनश्याम वर्मा ने विद्यार्थियों को दशहरा पर्व के महत्व और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन आदर्शों बारे विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दशहरा पर्व हमें सत्य, धर्म और अच्छाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।



झज्जर। विद्यालय परिसर में बनाए गए रावण के पुतले के साथ खड़े नन्हें विद्यार्थी।



झज्जर। विजय दशमी कार्यक्रम में उपस्थित चेयरमैन डॉक्टर महिपाल व अन्य।

संस्कारम स्कूल में धूमधाम से मनाया दशहरा त्योहार

झज्जर। संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास में दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया। संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने रावण दहन कर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम के जीवन पर आधारित रामलीला का मनमोहक मंचन किया। नन्हे कलाकारों के अभिनय, मंत्रोच्चारण और श्लोकों ने कार्यक्रम को भक्तिमय बना दिया। डॉक्टर महिपाल ने विद्यार्थियों, अभिभावकों और स्टाफ को दशहरे की बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में संस्कार, सदाचार और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सत्य और नैतिक मूल्यों के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।



बहादुरगढ़। रामायण का मंचन करते एसआर सेंचुरी स्कूल के विद्यार्थी।

एसआर सेंचुरी स्कूल में हुआ रामायण का मंचन

बहादुरगढ़। शहर के एसआर सेंचुरी स्कूल में नवरात्र के उपलक्ष्य में रामायण का अभिमंचन किया गया। स्कूल डायरेक्टर संजीत राठी व समां राठी की प्रेरणा से बादली रोड ब्रांच में रामायण : मर्यादा से महिमा तक संपूर्ण महाकाव्य का मंचन किया गया। संगीत अध्यापिका चांदनी, कोऑर्डिनेटर ज्योति काजला, अनुशान प्रभारी मधुबाला शर्मा व सांस्कृतिक गतिविधि इंचार्ज मोनिका सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम का सफल मंचन हुआ। कक्षा बाल वाटिका से लेकर नौंवीं तक के बच्चों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। राम के रूप में नौवीं की छात्रा परीक्षा, लक्ष्मण के रूप में 8वीं की छात्रा दित्या, रावण के रूप में 9वीं की छात्रा हितांशी, सीता अनुष्का, हनुमान हृदय, मंथरा अवनि, सूर्पनखा छवि आदि ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। नृत्य शिक्षिका चांदनी ने बताया कि रामायण के पात्रों ने रिहर्सल के साथ ही पढ़ाई, गृह कार्य तथा अन्य पाठ्य सहगामी क्रियाकलाप जारी रखे। अध्यापिका प्रोमिला, शमशेर सिंह, सिया, सुमीता, प्रभा व बाल वाटिका संयोजिका पूजा व ममता आदि ने साज-सज्जा में सहयोग किया। स्टेज व डेकोरेशन का कार्यभार अंजू ने संभाला। मंच संचालन विनोद कौशल के साथ शेखर झा, हिमांशी, स्नेहा व उर्वशी ने किया। प्रिंसिपल बीके झा के अनुसार कार्यक्रम में 500 से अधिक अभिभावकों ने भी भाग लिया।



बहादुरगढ़। शिक्षकों के साथ रामायण के पात्रों की वेशभूषा में छात्र। फोटो : हरिभूमि

बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

बहादुरगढ़। अशोका इंटरनेशनल स्कूल में विजयादशमी पर्व हर्षोल्लास, श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों ने रामायण के विभिन्न प्रसंगों का सजीव मंचन करते हुए भगवान श्रीराम, लक्ष्मण व माता सीता की भूमिकाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उत्सव का मुख्य आकर्षण रावण दहन रहा। बाबा राम दास स्पेशल चिल्ड्रन एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी की सचिव कुसुम लता कौशिक अपनी टीम के साथ विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने हस्तनिर्मित वस्तुओं की आकर्षक स्टॉल लगाई। स्कूल निदेशिका विजय लक्ष्मी, चेयरमैन अशोक शर्मा व प्रिंसिपल नरेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाने तथा सत्य, ईमानदारी के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।



बहादुरगढ़। मुकुटधारी हनुमान स्वरूपों के साथ भक्तों की टोली। फोटो : हरिभूमि

हनुमान स्वरूपों की परिक्रमा के साथ दशहरा महोत्सव शुरू

बहादुरगढ़। शहर के सतनारायण मंदिर से किला मोहल्ला स्थित श्री संकट मोचन शिव हनुमान मंदिर तक हनुमानजी के पवित्र स्वरूपों की परिक्रमा कराई गई। भक्तिमय भजनों और ढोल नगाड़ों के साथ परिक्रमा हुई। श्रद्धालुओं ने हनुमान स्वरूप धारण किए सेवादारों का जोरदार स्वागत किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। जय श्रीराम, और जय हनुमान के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। आयोजन समिति से जुड़े साहिल चावला ने बताया कि कठिन व्रत और दिनचर्या के बाद हनुमान जी के पवित्र स्वरूप धारण किए जाते हैं।

विधायक समेत श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की पूजा कर लिया आशीर्वाद



बहादुरगढ़। धर्मपुरा में दुर्गा पूजा करते विधायक राजेश जून व अन्य। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। शारदीय नवरात्रि के दौरान शहर में विभिन्न धार्मिक आयोजन किए गए। इनमें शामिल होकर विधायक राजेश जून ने माता रानी की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। सोमवार को घरों में भी कन्या पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने छोटी कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सोमवार को अष्टमी व नवमी के संयुक्त अवसर पर क्षेत्र में भक्तिमय माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने कन्याओं के पैर धोए, तिलक लगाया और आरती उतारकर आशीर्वाद लिया। पूजन के बाद कन्याओं को हलवा, पूड़ी और चने समेत विभिन्न पकवान खिलाए गए। भोजन के बाद उन्हें दक्षिणा और उपहार भी दिए गए। इस दौरान श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि के लिए मां दुर्गा से प्रार्थना की। विधायक राजेश जून ने दुर्गा कॉलोनी में आयोजित भंडारे में भाग लेते हुए आयोजन कमेटी को सहयोग स्वरूप 11 हजार रुपए की धनराशि भेंट की। इसके बाद विधायक ने धर्मपुरा धर्मशाला में बहादुरगढ़ कालीबाड़ी मंदिर सोसायटी द्वारा आयोजित 26वें दुर्गा पूजा समारोह में भी शिरकत की। उन्होंने आयोजन कमेटी को 5100 रुपये की सहयोग राशि भेंट की और माता रानी की पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि माता रानी की कृपा सभी पर बनी रहे और बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र का प्रत्येक परिवार सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली के साथ जीवन व्यतीत करे।

माता भगवती जागरण में झांकियों ने बांधा समां

झज्जर। शहर के भट्टी गेट क्षेत्र में रविवार की रात युवा समाज समिति द्वारा 40वें विशाल मां भगवती जागरण का आयोजन किया गया। जागरण में विधायक एवं पूर्व शिक्षामंत्री गीता भुक्कल मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की जबकि ज्योति प्रचंड व्यापार मंडल के जिला प्रधान एवं हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी डेलीगेट सुभाष गुर्जर ने किया। विधायक गीता भुक्कल ने कहा कि अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों को इस प्रकार के धार्मिक कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित करें। इस प्रकार के धार्मिक आयोजन युवाओं को अपनी संस्कृति व परंपरा से रूबरू कराते हैं।



झज्जर। माता के जागरण में भजनों का आनंद लेते श्रद्धालु।

झज्जर। कन्याओं को भोजन करवाती श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

दुर्गा नवमी पर्व पर श्रद्धालुओं ने किया कन्या पूजन

झज्जर। दुर्गा नवमी पर्व जिले भर में धूमधाम से मनाया गया। अलसुबह से ही श्रद्धालुओं द्वारा मंदिरों में माता की विशेष पूजा अर्चना की और अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। वहीं मंदिरों में हवन भी किए गए। शहर में विभिन्न स्थानों पर भंडारों का भी आयोजन किया गया। इसके अलावा श्रद्धालुओं ने नवरात्र पर्व के समापन पर कन्याओं का पूजन किया। उधर, हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने मां भीमेश्वरी देवी मंदिर में माता की पूजा-अर्चना की।

डांडिया की खनक व गरबा की धमक से गूंजा संस्कारम विश्वविद्यालय



झज्जर। डांडिया कार्यक्रम की प्रस्तुति के दौरान मंच पर उपस्थित छात्राएं।

झज्जर। संस्कारम विश्वविद्यालय पाटौदा में सांस्कृतिक उत्सव गरबा गूंज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गरबा और डांडिया की आकर्षक प्रस्तुतियों से समां बांधा। पारंपरिक परिधानों में सजे विद्यार्थियों के उत्साह ने पूरे परिसर को उत्सवी रंग में रंग दिया। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉक्टर महिपाल ने कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की, जबकि वाइस चांसलर डॉक्टर अजीत सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। चांसलर डॉक्टर महिपाल ने कहा कि भारतीय त्योहार संस्कृति और गौरवशाली विरासत के पोषक हैं। ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी परंपराओं से जोड़ने के साथ उनमें संस्कार और आपसी सौहार्द की भावना मजबूत करते हैं। वाइस चांसलर डॉक्टर अजीत सिंह ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295154800, 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

